

डैनियल की पुस्तक - संख्या छप्पन

प्रकाशितवाक्य 17 के रहस्य का अनावरण: महान वेश्या और पशु के बारे में अंतिम भविष्यवाणी

Jeff Pippenger

2024-01-20

बाइबल की भविष्यवाणी में वर्णित राज्यों का अंतिम चित्रण प्रकाशित वाक्य के सत्रहवें अध्याय में पाया जाता है। उस अध्याय की तीसरी आयत में, यूहन्ना को "मरुभूमि" में ले जाया जाता है, ताकि स्वर्गदूत भविष्यवाणी की "महान वेश्या" का न्याय यूहन्ना को दिखा सके, जो "अनेक जलों" पर बैठती है और जिसने "पृथ्वी के राजाओं" के साथ "व्यभिचार" किया।

और उन सात स्वर्गदूतों में से एक, जिनके पास सात कटोरे थे, मेरे पास आया और मुझसे कहा, यहाँ आ; मैं तुझे उस बड़ी वेश्या का न्याय दिखाऊँगा जो बहुत से जलों पर बैठी है। जिसके साथ पृथ्वी के राजाओं ने व्यभिचार किया है, और पृथ्वी के रहनेवालों को उसके व्यभिचार के दाखमधु से मतवाला किया गया है। तब वह आत्मा में मुझे जंगल में ले गया; और मैंने देखा कि एक स्त्री एक किरमज़ी रंग के पशु पर बैठी है, जो निन्दा के नामों से भरा हुआ था, और जिसके सात सिर और दस सींग थे। प्रकाशितवाक्य 17:1-3.

जॉन के ही शब्दों में, 'वन्य प्रदेश' वर्ष 538 से 1798 में अंत के समय तक पापाई शासन के बारह सौ साठ वर्षों का प्रतिनिधित्व करता है।

और वह स्त्री जंगल में भाग गई, जहाँ उसके लिए परमेश्वर ने एक स्थान तैयार किया था, ताकि वहाँ उसका एक हजार दो सौ साठ दिनों तक पालन-पोषण किया जाए। ... और उस स्त्री को एक बड़े उकाब के दो पंख दिए गए, ताकि वह उड़कर जंगल में, अपने स्थान पर पहुँच जाए, जहाँ उसका एक काल, दो काल और आधा काल तक सर्प की दृष्टि से दूर पालन-पोषण होता है। प्रकाशितवाक्य 12:6, 14.

आत्मा में, यूहन्ना को पापाई शासन के बारह सौ साठ वर्षीय काल में ले जाया गया। उन वर्षों का प्रतिरूप ईज़ेबेल, अहाब और एलिय्याह के इतिहास के दौरान साढ़े तीन वर्षों के सूखे में दिखाया गया था। वे वर्ष 1798 में पापाई व्यवस्था को उसका घातक घाव मिलने तक चलते रहने थे, क्योंकि यह "निर्धारित" था कि यह प्रथम कोप के अंत में घटेगा, जो कि पवित्रस्थान और सेना पर बहुदेववाद और पापाई व्यवस्था की दो उजाड़ने वाली शक्तियों के माध्यम से लाए गए युद्ध का अंत था। इन सब तथ्यों को हाल के लेखों में प्रस्तुत किया गया है।

'महान वेश्या' वही यशायाह की सोर की वेश्या है, जिसे सत्तर प्रतीकात्मक वर्षों के लिए भुला दिया जाना था, जो 'एक राजा के दिन' थे। संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास उन प्रतीकात्मक सत्तर वर्षों का इतिहास है, जिन्हें बाबेल के राज्यकाल के दौरान के सत्तर वर्षों के निर्वासन द्वारा प्रतिरूपित किया गया था; बाबेल बाइबिल की भविष्यवाणी का पहला राज्य था। उस इतिहास के दौरान सोर की वह महान वेश्या भुला दी जानी थी। उस इतिहास के अंत में उसे फिर से याद किया जाना था और वह फिर बाहर निकलकर अपने गीत गाने वाली थी, और इस प्रकार पृथ्वी के राजाओं के साथ व्यभिचार करने वाली थी। पापसी सत्ता का न्याय देखने के लिए यूहन्ना को आत्मिक रूप से पापसी शासन के इतिहास में ले जाया गया था। व्यभिचार करने वाली एक याजक की बेटी का दंड यह था कि उसे आग से जला दिया जाए।

और किसी भी याजक की बेटी, यदि वह वेश्या बनकर अपने आप को अपवित्र करे, तो वह अपने पिता को अपवित्र करती है; उसे आग से जला दिया जाएगा। लैव्यव्यवस्था 21:9.

सात अंतिम विपत्तियों में से एक को उंडेलने वाले स्वर्गदूतों में से एक ने योहन को जो बड़ी वेश्या के न्याय का दर्शन दिया, उसमें यह दिखाया गया कि वह आग से जला दी गई।

और वे दस सींग जो तू ने उस पशु पर देखे थे, वे वेश्या से घृणा करेंगे, और उसे उजड़ी हुई और नंगी कर देंगे, और उसका मांस खाएँगे, और आग से जला देंगे। प्रकाशितवाक्य 17:16.

वे जल जिन पर महान वेश्या बैठी है, संसार के लोग हैं, जिन्हें उसके अधिकार के अधीन तब लाया जाएगा जब संयुक्त राज्य अमेरिका पूरे विश्व को धोखा देकर उस पशु की उपासना करवाएगा, जो स्वयं भी महान वेश्या है। तब संयुक्त राज्य अमेरिका 'प्रकाशितवाक्य' अध्याय सत्रह की भविष्यवाणी में दर्शाए गए दस राजाओं में प्रधान राजा बन जाता है, और इस चित्रण में संयुक्त राज्य अमेरिका उस प्रथम राजा का प्रतिनिधित्व करता है जो वेश्या के साथ व्यभिचार करेगा, यद्यपि वह वेश्या उसके बाद सभी राजाओं के साथ भी यह कृत्य करेगी।

कई राजाओं में प्रथम राजा का प्रतिनिधित्व आहाब करता है, जो महान व्यभिचारिणी से विवाहित था, जिसे थुआतीरा की कलीसिया में ईजेबेल के रूप में दर्शाया गया है। ईजेबेल (महान व्यभिचारिणी) का न्याय दस राजाओं द्वारा पूरा किया जाएगा, जिन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की शक्ति से चर्च और राज्य के गठबंधन में मजबूर किया जाएगा। वे राजा, उस व्यभिचारिणी से अपनी घृणा के बावजूद, पापसी को संसार पर शासन करने देने पर सहमत होंगे (जल पर बैठना)।

और जो दस सींग तूने देखे, वे दस राजा हैं, जिन्होंने अभी तक कोई राज्य नहीं पाया है; परन्तु वे उस पशु के साथ एक घड़ी के लिये राजाओं के समान अधिकार पाएँगे। इनका एक ही मन है, और वे अपना अधिकार और सामर्थ्य उस पशु को दे देंगे। ये मेम्ने से युद्ध करेंगे, और मेम्ना उन्हें पराजित करेगा; क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु और राजाओं का राजा है; और जो उसके साथ हैं, वे बुलाए हुए, चुने हुए और विश्वासयोग्य हैं। और उसने मुझसे कहा, जो जल तूने देखा, जहाँ वह वेश्या बैठी है, वे तो लोग, भीड़ें, जातियाँ और भाषाएँ हैं। और जो दस सींग तूने उस पशु पर देखे, वे उस वेश्या से घृणा करेंगे, और उसे उजाड़ और नग्न कर देंगे, और उसका मांस खाएँगे, और उसे आग से जला देंगे। क्योंकि परमेश्वर ने अपनी इच्छा पूरी करने के लिये उनके मन में यह बात डाल दी है कि वे एक मत हों, और अपना राज्य उस पशु को दे दें, जब तक कि परमेश्वर के वचन पूरे न हो जाएँ। और जो स्त्री तूने देखी, वह वह महान नगर है, जो पृथ्वी के राजाओं पर राज्य करती है। प्रकाशितवाक्य 17:12-18.

"दस राजा" (संयुक्त राष्ट्र) वास्तव में पापाई सत्ता से घृणा करते हैं, परन्तु परिस्थितियों के कारण विवश होकर, दुनिया को उसकी बढ़ती हुई विपत्तियों से बचाने की व्यर्थ आशा में, अपना अल्पकालिक राज्य पापाई सत्ता के हवाले कर देते हैं। जब वे उसके छल को पहचान लेते हैं, तो लैव्यवस्था में दिए गए कानून की पूर्ति में उसे आग से जला देने का साधन बन जाते हैं।

"दस राजा" "मेम्ने के विरुद्ध युद्ध करते हैं" उस उत्पीड़न के द्वारा जो वे परमेश्वर के अंतिम दिनों के लोगों पर लाते हैं।

क्यों अन्यजाति कोलाहल मचाते हैं, और लोग व्यर्थ कल्पनाएँ करते हैं? पृथ्वी के राजा उठ खड़े होते हैं, और हाकिम आपस में सम्मति कर के यहोवा और उसके अभिषिक्त के विरोध में कहते हैं, 'आओ, हम उनके बन्ध तोड़ डालें, और उनकी डोरियाँ अपने ऊपर से उतार फेंकें।' जो स्वर्ग में विराजमान है, वह हँसेगा; प्रभु उनका उपहास करेगा। तब वह अपने क्रोध में उनसे बोलेगा, और अपने प्रचण्ड कोप से उन्हें भयभीत करेगा। भजन संहिता 2:1-5.

पृथ्वी के राजाओं द्वारा पोपतंत्र के लिए किया जाने वाला उत्पीड़न, क्रूस पर मसीह के विरुद्ध भी किया गया था।

तू ही है जिसने अपने दास दाऊद के मुख से कहा, 'जातियों ने कोलाहल क्यों मचाया, और लोगों ने व्यर्थ कल्पनाएँ क्यों कीं? पृथ्वी के राजा उठ खड़े हुए, और शासक लोग प्रभु के विरुद्ध और उसके मसीह के विरुद्ध एक साथ इकट्ठे हुए।' क्योंकि निश्चय ही तेरे पवित्र बालक यीशु—जिसका तूने अभिषेक किया—के विरुद्ध हेरोदेस और पुन्तियुस पिलातुस, अन्यजातियों और इस्राएल की प्रजा के साथ मिलकर इकट्ठे हुए, ताकि वे वही करें जो तेरे हाथ और तेरे परामर्श ने पहले से ठहराया था कि होना है। प्रेरितों के काम 4:25-28.

जो "पृथ्वी के राजा" उसके क्रूस पर चढ़ाए जाने के समय मसीह के विरुद्ध खड़े हुए थे, वे "प्रकाशितवाक्य सत्रह" के "दस राजा" का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो उसके लोगों को सताकर फिर से मेम्ने से युद्ध करते हैं। क्रूस पर, वे राजा "दुष्टों की सभा" थे, जिन्होंने मसीह को चारों ओर से घेर लिया था, और जो उसके अंतिम दिनों के लोगों को भी फिर से चारों ओर से घेरते हैं।

क्योंकि कुत्तों ने मुझे घेर लिया है; दुष्टों की सभा ने मुझे चारों ओर से घेर लिया है; उन्होंने मेरे हाथों और मेरे पैरों में छेद कर दिए हैं। मैं अपनी सारी हड्डियाँ गिन सकता हूँ; वे मुझे देखते हैं और घूरते हैं। वे मेरे वस्त्रों को आपस में बाँट लेते हैं, और मेरे परिधान पर चिट्ठियाँ डालते हैं। भजन संहिता 22:16-18.

वे दस राजा, जो महावेश्या पर न्याय लाएँगे, उसे आग से जला देंगे, क्योंकि वह एक ऐसी वेश्या है जो अपने आप को याजक की बेटी बताती है। उन्हीं राजाओं को "कुत्तों" के रूप में भी प्रस्तुत किया गया है, और वे दस राजा न केवल महावेश्या को आग से जला देंगे, बल्कि "उसका मांस खा जाएँगे"। ईज़ेबेल की मृत्यु तब हुई जब उसे दीवार से नीचे फेंक दिया गया और वह ज़मीन पर बिखर गई, और फिर कुत्ते आए और उसका मांस खा गए।

और जब यहू यिज़्बेल आया, तो ईज़ेबेल ने यह सुना; और उसने अपनी आँखों में सुरमा लगाया, अपना सिर सँवारा, और खिड़की से बाहर झाँकी। और जब यहू फाटक से भीतर आया, तो उसने कहा, "क्या अपने स्वामी को मारने वाले जिम्मी को शांति मिली?" तब उसने अपना मुख खिड़की की ओर उठाकर कहा, "मेरी ओर कौन है? कौन?" तब दो या तीन खोजे खिड़की से उसकी ओर झाँकने लगे। उसने कहा, "उसे नीचे गिरा दो।" सो उन्होंने उसे नीचे गिरा दिया; और उसका कुछ खून दीवार पर और घोड़ों पर छिटक पड़ा; और उसने उसे पैरों तले रौंदा। फिर वह भीतर आया और खाया-पिया, और कहा, "जाओ, अब इस शापित स्त्री को देखो और उसे दफना दो; क्योंकि वह राजा की बेटी है।" वे उसे दफनाने गए; पर उन्हें उसके सिवाय कुछ न मिला—केवल खोपड़ी, पाँव, और उसके हाथों की हथेलियाँ। इस कारण वे लौटकर उसके पास आए और उसे बताया। तब उसने कहा, "यह यहोवा का वह वचन है, जो उसने अपने दास तिश्बी एलियाह के द्वारा कहा था: यिज़्बेल के हिस्से में कुत्ते ईज़ेबेल का मांस खाएँगे; और यिज़्बेल के हिस्से में खेत की भूमि पर ईज़ेबेल की लाश गोबर के समान होगी, ताकि कोई यह न कह सके, 'यह ईज़ेबेल है।'" 2 राजा 9:30-37.

दस राजा, जो संयुक्त राष्ट्र हैं और जिनमें प्रमुख राजा संयुक्त राज्य अमेरिका है, उसे आग से जलाकर और उसका मांस खाकर पापाई सत्ता पर न्याय लाएँगे। वही न्याय यूहन्ना को दिखाने के लिए स्वर्गदूत आया था, और ऐसा करने के लिए वह यूहन्ना को जंगल के इतिहास में ले गया, पर जंगल के इतिहास के किसी मनमाने बिंदु पर नहीं, बल्कि उस अवधि के बिलकुल अंत में। यह स्पष्ट है कि यूहन्ना को बारह सौ साठ वर्षों के अंत में रखा गया था, क्योंकि जब वह उस स्त्री को देखता है, तब वह पहले ही उत्पीड़न के कारण बहाए गए रक्त से मतवाली थी और पहले ही वेश्याओं की माता के रूप में पहचानी जा चुकी थी।

तब वह मुझे आत्मा में जंगल में ले गया; और मैंने एक स्त्री को एक सुर्ख रंग के पशु पर बैठी हुई देखा, जो धर्मनिन्दा के नामों से भरा था, जिसके सात सिर और दस सींग थे। और वह स्त्री बैंगनी और सुर्ख रंग के वस्त्र पहने थी, और सोने, बहुमूल्य पत्थरों और मोतियों से सुसज्जित थी; उसके हाथ में एक सोने का कटोरा था, जो उसके व्यभिचार की घृणित वस्तुओं और अशुद्धता से भरा था। और उसके माथे पर एक नाम लिखा था: भेद, महान बाबेल, वेश्याओं और पृथ्वी की घृणित वस्तुओं की माता। और मैंने उस स्त्री को पवित्र जनों के लहू और यीशु के शहीदों के लहू से मतवाला देखा; और जब मैंने उसे देखा तो बड़े आश्चर्य से अचम्भित हुआ। प्रकाशितवाक्य 17:3-6.

टायर की वेश्या, जो प्रकाशितवाक्य सत्रह में दर्शाई गई "महावेश्या" भी है, उसे तब तक भुला दिया जाना था जब तक वह फिर से अपने गीत न गाए और पृथ्वी के राजाओं के साथ व्यभिचार न करे।

1950 से पहले प्रकाशित कोई भी प्रतिष्ठित शब्दकोश यह बताता है कि प्रकाशितवाक्य सत्रह में सुर्ख वस्त्रों में सजी स्त्री रोमन कैथोलिक कलीसिया का प्रतीक है, पर आज दुनिया कैथोलिक कलीसिया को एक ईसाई कलीसिया मानती

है। दुनिया भूल गई है कि वह वास्तव में कौन है।

जब जॉन ने उसे देखा, तब अंधकार युग का उत्पीड़न अपनी समाप्ति पर था, क्योंकि वह संतों के रक्त से पहले ही मतवाली हो चुकी थी। प्राकृतिक बातें आध्यात्मिक बातों को दर्शाती हैं, और व्यक्ति पीने के बाद ही नशे में होता है, उससे पहले नहीं।

जो प्रोटेस्टेंट 1798 से कई सदियों पहले कैथोलिक धर्म से अलग हो गए थे, वे 1798 तक कैथोलिक संगति में लौटने की अपनी यात्रा आरंभ कर चुके थे, क्योंकि उसकी पहचान 'वेश्याओं की माता' के रूप में की गई थी। जब यूहन्ना ने उसे देखा और आश्चर्य किया, तब वे कलीसियाएँ जो पहले उसकी संगति से अलग हो गई थीं, पहले ही लौट चुकी थीं। इस प्रकार यूहन्ना को 1798 में ले जाया गया, जब वह महान व्यभिचारिणी पहले ही लाखों मसीहियों की हत्या कर चुकी थी, और पूर्व प्रोटेस्टेंट कलीसियाओं को यह स्वीकार करने के लिए पहले ही बहका चुकी थी कि वह कलीसियाओं की प्रधान है, जैसा कि जस्टिनियन ने वर्ष 533 में उसे ठहराया था।

सन् 1798 के भविष्यसूचक दृष्टिकोण से, स्वर्गदूत ने यूहन्ना के समक्ष बाइबल की भविष्यवाणियों में वर्णित राज्यों का अंतिम चित्रण प्रस्तुत किया।

और स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, तू क्यों चकित हुआ? मैं तुझे उस स्त्री का भेद बताऊँगा, और उस पशु का भी जो उसे लिये हुए है, जिसके सात सिर और दस सींग हैं। जो पशु तू ने देखा, वह हुआ करता था, पर अब नहीं है; और अथाह कुंड से ऊपर आएगा और विनाश में चला जाएगा; और पृथ्वी पर रहने वाले, जिनके नाम जगत की उत्पत्ति से जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, जब वे उस पशु को देखेंगे, जो हुआ करता था, और अब नहीं है, परन्तु फिर भी है, तो वे आश्चर्य करेंगे। और यहाँ वह मन है जिसमें बुद्धि है। वे सात सिर सात पहाड़ हैं, जिन पर वह स्त्री बैठती है। और वे सात राजा हैं: पाँच गिर चुके हैं, एक है, और दूसरा अभी तक आया नहीं है; और जब वह आएगा, तो थोड़े समय तक ठहरेगा। और जो पशु हुआ करता था और अब नहीं है, वही आठवाँ है, और सात में से है, और विनाश में जाता है। और जो दस सींग तू ने देखे, वे दस राजा हैं, जिन्होंने अभी तक कोई राज्य नहीं पाया; परन्तु वे पशु के साथ एक घड़ी के लिए राजा का अधिकार पाएँगे। प्रकाशितवाक्य 17:7-12.

बाइबल की भविष्यवाणियों में पशु एक राज्य होता है, जैसा कि दानिय्येल की पुस्तक के अध्याय सात और आठ में आसानी से पहचाना जाता है, और जो रहस्य स्वर्गदूत यूहन्ना को प्रस्तुत कर रहा है, वह उस पशु और उस स्त्री का रहस्य है जो उस पशु पर सवार है। उस पशु पर बैठी स्त्री वह महावेश्या है जो पृथ्वी के राजाओं के साथ व्यभिचार करती है। वह ईज़ेबेल है और उसका पति अहाब है।

इस कारण मनुष्य अपने पिता और अपनी माता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा, और वे एक देह होंगे।
उत्पत्ति 2:24.

पुरुष पुरुष है और स्त्री स्त्री है, पर साथ मिलकर वे एक देह बन जाते हैं। पशु का रहस्य यह है कि वह कलीसिया और राज्य का सम्मिश्रण है—स्त्री (कलीसिया) और पशु (राजाओं) का ऐसा संयोजन जो एक ही राज्य है, जो दो भागों से मिलकर बना है। राजकाज और कलीसियाई शासन का संयुक्त रूप, जिसमें संबंध पर नियंत्रण स्त्री के हाथ में हो, वही "पशु की प्रतिमा" है। जॉन को स्त्री को पशु पर सवार दिखाया गया है, क्योंकि संबंध पर नियंत्रण उसी के हाथ में है।

और वह स्त्री जिसे तू ने देखा, वही महान नगर है, जो पृथ्वी के राजाओं पर राज्य करती है। प्रकाशितवाक्य
17:18.

मिलकर वह पशु और वह स्त्री एक राज्य (एक देह) का प्रतिनिधित्व करते हैं, परन्तु स्वर्गदूत पृथ्वी के राजाओं के साथ उस महावेश्या के संबंध पर जोर दे रहा है। "वह पशु जो" "था, और नहीं है", जो "अथाह कुंड से ऊपर आएगा, और विनाश में जाएगा," जिसके पीछे "जो पृथ्वी पर निवास करते हैं वे चकित होंगे", वह तब पापाई सत्ता है जब महावेश्या का घातक घाव चंगा हो जाता है। वह बाइबल की भविष्यवाणी का पाँचवाँ राज्य "थी", पर यह "ठहराया" गया था कि 1798 में उसे एक घातक घाव मिलेगा।

जब जॉन को आध्यात्मिक रूप से 1798 में ले जाया गया, तब वह पशु 'नहीं' थी, और 'फिर भी', उन सत्तर प्रतीकात्मक वर्षों के अंत में—जो शीघ्र आने वाले रविवार के क्रानून पर समाप्त होते हैं—जब उसकी घातक चोट ठीक हो जाती है, तब वह फिर से जीवित 'है', अपने गीत गाती है, व्यभिचार करती है और मसीहियों की हत्या करती है।

अध्याय सत्रह बाइबल की भविष्यवाणी के राज्यों की अंतिम प्रस्तुति है, और इस प्रकार यह बाइबल की भविष्यवाणी के राज्यों के प्रथम उल्लेख से मेल खाना चाहिए। उन राज्यों का पहला उल्लेख दानियेल के दूसरे अध्याय में मिलता है, जो दोनों चार्टों पर प्रदर्शित है, जो हबक्कूक की इस आज्ञा की पूर्ति थे कि दर्शन लिखो और उसे पट्टिकाओं पर स्पष्ट कर दो।

मिलरवादी बाइबल की भविष्यवाणी में दानिएल के राज्यों की अपनी समझ में, जैसा कि अध्याय दो, सात और आठ में प्रस्तुत है, सही थे, लेकिन उनकी समझ अपूर्ण थी। दानिएल के अध्याय दो के संबंध में मिलर के 'रत्न' अंतिम दिनों में दस गुना अधिक चमकते हैं, क्योंकि माना जाता है कि वे न केवल बाइबल की भविष्यवाणी के राज्यों के प्रथम संदर्भ की पहचान करते हैं, बल्कि उस रहस्योद्घाटन के प्रथम संदर्भ की भी, कि आठवाँ सात में से है। यीशु हमेशा किसी बात के अंत को उसके आरंभ द्वारा चित्रित करते हैं।

सभी भविष्यवक्ता अंतिम दिनों के विषय में बोल रहे हैं, और यूहन्ना, प्रकाशितवाक्य सत्रह में, पृथ्वी के अंतिम राज्य को चिन्हित करता है, जब वह प्रस्तुत करता है "वह पशु जो" "था, और अब नहीं है; और अथाह कुंड से ऊपर आएगा, और विनाश में जाएगा।" वह पशु "अथाह कुंड" से ऊपर उठता है, जो "शैतानी शक्ति की नई अभिव्यक्ति" का प्रतीक है।

'जब वे अपनी गवाही पूरी कर लेंगे [पूरा कर रहे होंगे]।' टाट के वस्त्र पहने हुए दो गवाहों के भविष्यवाणी करने का काल 1798 में समाप्त हुआ। जब वे गुप्तावस्था में अपने कार्य की समाप्ति के निकट पहुँच रहे थे, तब उन पर युद्ध उस शक्ति द्वारा किया जाना था जिसे 'अथाह कुंड से ऊपर आने वाले पशु' के रूप में दर्शाया गया है। यूरोप के अनेक राष्ट्रों में कलीसिया और राज्य पर शासन करने वाली शक्तियाँ शताब्दियों तक पोपाई सत्ता के माध्यम से शैतान के नियंत्रण में रही थीं। परन्तु यहाँ शैतानी शक्ति की एक नई अभिव्यक्ति प्रस्तुत की गई है। द ग्रेट कॉन्ट्रोवर्सी, 268.

कुछ धर्मशास्त्री यह तर्क देंगे कि क्योंकि प्रकाशितवाक्य ग्यारह में "अथाह गर्त" से ऊपर उठने वाला "पशु" उस पाठांश में फ्रांसीसी क्रांति की नास्तिकता के रूप में पहचाना गया है, इसलिए "अथाह गर्त" वाक्यांश नास्तिकता का प्रतीक है। परन्तु प्रकाशितवाक्य नौ में इस्लाम "अथाह गर्त" से ऊपर उठा, और इस्लाम नास्तिकता नहीं है। "अथाह गर्त" एक शैतानी प्रकटीकरण का प्रतिनिधित्व करता है।

"मैंने उसे बताया कि प्रभु ने मुझे दर्शन में दिखाया था कि सम्मोहन शैतान से, अथाह गड्ढे से आया है, और यह शीघ्र ही वहाँ चला जाएगा, उनके साथ जो इसे इस्तेमाल करते रहेंगे।" रिव्यू एंड हेराल्ड, 21 जुलाई, 1851.

'शैतान' से आने वाली कोई भी चीज़ 'तलहीन गड्ढे' से आने वाली ही होती है। प्रकाशितवाक्य 17 में तलहीन गड्ढे से निकलने वाला पशु वही शक्ति है जो नाश में जाती है, और जिनके नाम पुस्तक में लिखे नहीं हैं, वे उसके पीछे-पीछे चकित होकर चलेंगे। 'नाश' का अर्थ अनन्त दंड है, और प्रकाशितवाक्य में इसे 'आग की झील' के रूप में दिखाया गया है, जिसमें उस पशु को डाल दिया जाता है।

और उस पशु को पकड़ा गया, और उसके साथ वह झूठा भविष्यवक्ता भी, जिसने उसके सामने चमत्कार किए, जिनके द्वारा उसने उन लोगों को धोखा दिया जिन्होंने पशु का चिह्न ग्रहण किया था, और जो उसकी प्रतिमा की पूजा करते थे। ये दोनों जीवित ही गंधक से जलती आग की झील में डाल दिए गए। प्रकाशितवाक्य 19:20.

तेरहवें अध्याय में समुद्र से उठने वाले पहले पशु की पहचान की गई है, जिसे सिस्टर व्हाइट सीधे तौर पर पोप की सत्ता के रूप में पहचानती हैं। उस अंश में सारा संसार उस पोप की सत्ता वाले पशु के पीछे चकित होकर चलता है।

और मैंने देखा कि उसके सिरों में से एक मानो मृत्यु के लिए घायल किया गया था; और उसका घातक घाव चंगा हो गया: और सारी पृथ्वी उस पशु के पीछे-पीछे अचम्भित होकर चलने लगी। प्रकाशितवाक्य 13:13.

प्रकाशितवाक्य अध्याय सत्रह का वह पशु, जिसके पीछे 'जो पृथ्वी पर बसते हैं वे चकित होंगे', शैतानी शक्ति की अंतिम अभिव्यक्ति है, जो तब घटित होगी जब शीघ्र आने वाले 'रविवार के कानून' के समय पोपतंत्र का घातक घाव भर जाएगा। अध्याय सत्रह में वर्णित उस स्त्री और जिस पशु पर वह सवार है, उनके प्रत्येक भविष्यसूचक गुण रोम की कलीसिया की पहचान कराता है, ठीक वैसे ही जैसे 1950 से पहले प्रकाशित शब्दकोशों ने उसे पहचाना था।

प्रकाशितवाक्य सत्रह का पशु, कलीसिया और राज्य के संयोजन का प्रतीक है, जो पशु की प्रतिमा है। सात सिर और दस सींगों वाला पशु वह राज्य है जो दस राजाओं (संयुक्त राष्ट्र) से बना है, जिस पर स्त्री सवार होती है और जिसके ऊपर वह शासन करती है। वह स्त्री पोपतंत्र है, जिसे महान बाबुल, वेश्याओं की माता के रूप में पहचाना गया है। इन प्रतीकों की पहचान हो जाने के बाद हम 1798 पर लौट सकते हैं; इतिहास का वह बिंदु जहाँ यूहन्ना को इस उद्देश्य से ले जाया गया था कि वह बाइबल की भविष्यवाणियों के राज्यों का अंतिम चित्रण प्राप्त करे।

हम उन राज्यों तथा दानियेल के दूसरे अध्याय में उनके प्रतिनिधित्व पर अगले लेख में चर्चा करेंगे।

हर वह राष्ट्र जो कार्यभूमि पर आया है, उसे पृथ्वी पर अपना स्थान ग्रहण करने की अनुमति दी गई है, ताकि यह देखा जा सके कि वह 'प्रहरी और पवित्र जन' के उद्देश्य को पूरा करेगा या नहीं। भविष्यवाणी ने विश्व के महान साम्राज्यों—बाबुल, मादी-फारस, यूनान और रोम—के उदय और पतन का वर्णन किया है। इनमें से प्रत्येक के साथ, और कम शक्ति वाले राष्ट्रों के साथ भी, इतिहास स्वयं को दोहराता रहा। हर एक का परीक्षा का एक काल था, हर एक असफल हुआ, उसकी महिमा फीकी पड़ गई, उसकी शक्ति चली गई, और उसका स्थान किसी अन्य ने ले लिया।

"जबकि राष्ट्रों ने परमेश्वर के सिद्धांतों को अस्वीकार किया, और इस अस्वीकार में अपने ही विनाश का कारण बने, तब भी यह प्रकट था कि दैवीय, सर्वशासी उद्देश्य उनकी समस्त गतिविधियों के माध्यम से कार्य कर रहा था।" शिक्षा, 177.